Written by B4M
Wednesday, 02 March 2011 20:19

: □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ : जयपुर : राजस्थान पत्रिका में आज के अंक में मुख्य पेज पर प्रकाशित अग्रलेख में पत्रकारिता को लेकर की गई टिप्पणी से प्रदेश भर के पत्रकारों में आक्रोश है. इस टिप्पणी को लेकर बुधवार को विभिन्न पत्रकार संगठनों की प्रेस क्लब में □क बैठक हुई. बैठक में विभिन्न पत्रकारों ने राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित लेख पर ऐतराज किया.

उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी को प्रकाशित करने से पहले राजस्थान पत्रिका प्रबंधन अपने गिरेबां में झांकता. अगर पत्रिका प्रबंधन राज्य सरकार की ओर से पत्रकारों को दी गई सुविधाओं को भ्रष्टाचार की श्रेणी में मानता है तो उसे अब तक मिली सभी सुविधाओं को छो□ देना चाहि□. सरकार की ओर से राजस्थान पत्रिका को सभी शहरों में रियायती दरों पर मिली जमीनों को वापस लौटाना चाहि□ इसके साथी ही सरकारी विज्ञापनों का मोह भी त्यागना चाहि□.

पत्रकारों ने कहा कि पत्रिका प्रबंधन को चाहि□ कि पत्रकार समूह के विभिन्न समाचार पत्रों में काम कर रहे पत्रकारों को मिली सुविधाओं को वापस करें जिनमें पत्रकार कॉलोनी में मिले भूखंड भी शामिल है. इसके साथ ही जयपुर में जे□ल□न मार्ग स्थित कुलिश स्मृति वन का नाम भी बदलवाने की कार्यवाही करें.

बैठक में पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौ□, महासचिव नीरज मेहरा, राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष ईशमधु तलवार, महासचिव हरीश गुप्ता, राजस्थान पत्रकार परिषद के अध्यक्ष □ल□ल शर्मा, महासचिव राजेंद्र गुप्ता, लघु व मध्यम समाचार फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष बी□म शर्मा, राजस्थान स्माल □ंड मिडियम न्यूज पेपर जर्नलिस्ट □सोसि□शन के अध्यक्ष अशोक भटनागर, राजस्थान पत्रकार संघ के पदाधिकारियों के अलावा कई वरिष्ठ पत्रकार मौजूद थे. प्रेस विज्ञप्ति